छात्राओं के साथ प्रो. सुभाष चंद्र सैनी व प्रो. मूर्ति मलिक।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

गोहना, 26 मार्च (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में आज एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो0 मूर्ति मलिक ने की। बतौर मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर सुभाष चन्द्र सैनी ने शिरकत कर छात्राओं को हिंदी पत्रकारिता और हिंदी नवजागरण की विकास यात्रा को विश्लेषित व परिभाषित करते हुए कहा कि नई सोच,नए मूल्यों,नए दृष्टिकोण के साथ सोचना नवजागरण है। उन्होंने राजा राम मोहन राय, रविन्द्र नाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती,सावित्रीबाई फुले जैसी महान विभूतियों की प्रेरणा दायक शिक्षाओं के माध्यम से नवजागरण का संदेश दिया। कुलपति प्रो सुदेश ने बताया कि हिंदी नवजागरण से अभिप्राय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत के हिंदी प्रदेशों में आये राजनीतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक जागरण से है। उन्होंने बताया कि हिंदी नवजागरण की सबसे प्रमुख विशेषता हिंदी प्रदेश की जनता में स्वातंत्र्य चेतना जाग्रत होना है। कुलपति ने कहा कि नवजागरण का पहला चरण स्वयं 1857 का विद्रोह था। दूसरा चरण भारतेन्दु हरिश्चंद्र से शुरू हुआ और तीसरा चरण महावीर प्रसाद द्विवेदी से शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में विभाग की सभी छात्राओं सहित डॉ सुकीर्ति और डॉ कमल भी मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
THU,27 MARCH 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

स्वतंत्रता के पलने में विकसित हुई हिंदी पत्रकारिता : प्रो. सैनी

गोहाना, 26 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में बुधवार को एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. सुभाष सैनी रहे। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता भारत के स्वतंत्रता के पलने में पलकर विकसित हुई है।

प्रो. सुभाष सैनी के साथ महिला विश्वविद्यालय की छात्राएं और प्राध्यापक। (अरोड़ा)

प्रो. सुभाष सैनी कहा कि नई सोच, नए मूल्यों, नए दृष्टिकोण संग सोचना नवजागरण है। उन्होंने राजा राम मोहन राय, रबीन्द्र नाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती, सावित्रीबाई फुले जैसी महान विभूतियों की प्रेरणादायक शिक्षाओं के माध्यम से नवजागरण का संदेश दिया।

प्रो. सैनी ने कहा कि मानव विकास प्रक्रिया में बुद्धि विकसित होने के साथ-साथ पत्रकारिता की आवश्यकता अनुभव की गई। पत्रकारिता में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। छात्राएं अपनी अंतर्दृष्टि से पत्रकारिता के माध्यम से समाज की प्रगति में अपना योगदान दे सकती हैं।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि हिंदी नवजागरण से अभिप्राय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत के हिंदी प्रदेशों में आए राजनीतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक जागरण से है।

उन्होंने बताया कि हिंदी नवजागरण की सबसे प्रमुख विशेषता हिंदी प्रदेश की जनता में स्वातंत्र्य चेतना जागृत होना है।

कुलपति ने कहा कि नवजागरण का पहला चरण स्वयं 1857 का विद्रोह था। दूसरा चरण भारतेन्दु हरिश्चंद्र से शुरू हुआ और तीसरा चरण महावीर प्रसाद द्विवेदी से शुरू हुआ।

कार्यक्रम में विभाग की छात्राओं सहित डॉ. सुकीर्ति और डॉ. कमल भी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता के पालने में विकसित हुई हिंदी पत्रकारिता

गोहाना मुद्रिका एप, 26 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में बुधवार को एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया ।अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. सुभाष सैनी रहे। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता भारत के स्वतंत्रता के पालने में पलकर विकसित हुई है।प्रो. सुभाष सैनी कहा कि नई सोच,नए मूल्यों, नए दृष्टिकोण संग सोचना नवजागरण है। उन्होंने राजा राम मोहन राय, रवीन्द्र नाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती,सावित्रीबाई फुले जैसी महान विभूतियों की प्रेरणा दायक शिक्षाओं के माध्यम से नवजागरण का संदेश दिया। प्रो. सैनी ने कहा कि मानव विकास प्रक्रिया में बुद्धि विकसित होने के साथ-साथ पत्रकारिता की आवश्यकता अनुभव की गई। पत्रकारिता में रोजगार की अपार संभावनाएं है। छात्राएं अपनी अंतर्दृष्टि से पत्रकारिता के माध्यम से समाज की प्रगति में अपना योगदान दे सकती हैं। वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि हिंदी नवजागरण से अभिप्राय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत के हिंदी प्रदेशों में आये राजनीतिक , सामाजिक व सांस्कृतिक जागरण से है। उन्होंने बताया कि हिंदी नवजागरण की सबसे प्रमुख विशेषता हिंदी प्रदेश की जनता में स्वातंत्र्य चेतना जाग्रत होना है। कुलपति ने कहा कि नवजागरण का पहला चरण स्वयं 1857 का विद्रोह था। दूसरा चरण भारतेन्दु हरिश्चंद्र से शुरू हुआ और तीसरा चरण महावीर प्रसाद द्विवेदी से शुरू हुआ। कार्यक्रम में विभाग की छात्राओं सहित डॉ. सुकीर्ति और डॉ. कमल भी मौजूद रहे।

नए मूल्यों के साथ सोचना है नवजागरण : सैनी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में बुधवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर सुभाष चंद्र सैनी ने शिरकत की। प्रोफेसर सुभाष चंद सैनी ने छात्राओं को हिंदी पत्रकारिता और हिंदी नवजागरण की विकास यात्रा के बारे में बताया। उन्हों कहा कि नई सोच, नए मूल्यों व नए दृष्टिकोण के साथ सोचना नवजागरण है। उन्होंने राजा राममोहन राय, रविंद्रनाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती, सावित्रीबाई फुले जैसी महान विभूतियों की प्रेरणादायक शिक्षाओं के माध्यम से नवजागरण का संदेश दिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हिंदी नवजागरण से अभिप्राय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत के हिंदी प्रदेशों में आए राजनीतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक जागरण से है। नवजागरण का पहला चरण स्वयं वर्ष 1857 का विद्रोह था। इस मौके पर डॉ. सुकीर्ति, डॉ. कमल रहे। संवाद

नई सोच व नए दृष्टिकोण से सोचना ही नवजागार

गोहाना। बुधवार को भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर सुभाष चंद्र सैनी ने शिरकत की। सुभाष चंद सैनी ने छात्राओं को हिंदी पत्रकारिता और हिंदी नवजागरण की विकास यात्रा को विश्लेषित व परिभाषित करते हुए कहा कि नई सोच, नए मूल्यों व नए दृष्टिकोण के साथ सोचना नवजागरण है। राजा राममोहन राय, रविंद्रनाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती, सावित्रीबाइ फुले जैसी महान विभूतियों की प्रेरणादायक शिक्षाओं से नवजागरण का संदेश दिया।

बीपीएस महिला विवि में छात्राओं को दी पत्रकारिता की जानकारी

गोहाना| कुरुक्षेत्र विवि के हिंदी विभाग के प्रो. सुभाष चंद्र सैनी ने कहा कि मानव विकास प्रक्रिया में बुद्धि विकसित होने के साथ-साथ पत्रकारिता की आवश्यकता अनुभव की गई। हिंदी पत्रकारिता भारत के स्वतंत्रता के पलने में पलकर विकसित हुई है। पत्रकारिता में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। वे बीपीएस महिला विवि के हिंदी विभाग में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजा राम मोहन राय, रविंद्र नाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती, सावित्रीबाई फुले जैसी महान विभूतियों की प्रेरणादायक शिक्षाओं के माध्यम से नवजागरण का संदेश दिया। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। इस मौके पर डॉ. सुकीर्ति और डॉ. कमल मौजूद रहे।

'नए दृष्टिकोण के साथ सोचना नवजागरण है '

मुख्य अतिथि प्रो . सुभाष चंद्र सैनी व प्रो . मूर्ति मलिक के साथ छात्राएं ● सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : बुधवार को भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो . मूर्ति मलिक ने की। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर सुभाष चंद्र सैनी ने शिरकत की। सुभाष चंद सैनी ने छात्राओं को हिंदी पत्रकारिता और हिंदी नवजागरण की विकास यात्रा को परिभाषित करते हुए कहा कि नई सोच, नए मूल्यों व नए दृष्टिकोण के साथ सोचना नवजागरण है। उन्होंने राजा राममोहन राय, रविंद्रनाथ टैगोर, दयानंद सरस्वती, सावित्रीबाइ फुले जैसी महान विभूतियों की प्रेरणादायक शिक्षाओं के माध्यम से नवजागरण का संदेश दिया। प्रो . सैनी ने कहा कि मानव विकास प्रक्रिया में बुद्धि विकसित होने के साथ-साथ पत्रकारिता की आवश्यकता अनुभव की गई। छात्राएं पत्रकारिता के माध्यम से समाज की प्रगति में अपना योगदान दे सकती हैं। कुलपति प्रो . सुदेश ने कहा कि हिंदी नवजागरण से अभिप्राय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारत के हिंदी प्रदेशों में आए राजनीतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक जागरण से है। नवजागरण का पहला चरण स्वयं 1857 का विद्रोह था। इस मौके पर डा . सुकीर्ति, डा . कमल रहे।